

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J 1 6 1 0**Test Booklet No.**

Time : 2 1/2 hours]

PAPER-III

[Maximum Marks : 200

MUSIC

Number of Pages in this Booklet : 24

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।

- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।

(ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**

- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

J-1610**P.T.O.**

MUSIC
संगीत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two (2)** essay type questions with internal choice. Each question carries **twenty (20)** marks to be answered in about **five hundred (500)** words. Candidate has to answer both the questions. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में 2 निबन्धात्मक प्रश्न एक-एक विकल्प के साथ दिये गये हैं । प्रत्येक प्रश्न के 20-20 अंक हैं और प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दिया जाना है । परीक्षार्थी को दोनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. Indian music has been an important integral part of worship and was a source of spiritual development. How relevant it is in the modern times ?
भारतीय संगीत पूजा-अर्चना में एक अनिवार्य अंग के रूप में रहा है, जो आत्मिक विकास का भी एक माध्यम था । आज के सन्दर्भ में यह कहाँ तक प्रासंगिक है ?

OR / अथवा

What is the utility of Electronic Instruments/Equipments in music teaching ? Can such instruments/equipments provide Distant Education of Music ? Give an analysis.
संगीत शिक्षण में वैज्ञानिक उपकरणों/वाद्यों की क्या उपयोगिता है ? क्या इन उपकरणों/वाद्यों के द्वारा संगीत की दूरवर्ती शिक्षा संभव है ? विश्लेषण कीजिये ।

2. Give your views on the importance and utility of Research in Music. Which factors should be adopted for the systematic completion of Research work ?

संगीत में शोध के महत्त्व एवं उपादेयता पर अपने विचार व्यक्त कीजिये । संगीत में व्यवस्थित ढंग से शोधकार्य को पूर्ण करने के लिये किन बातों का पालन करना आवश्यक है ?

OR / अथवा

Textual tradition of Music have contributed much in the preservation of many oral traditions. Express your views.

संगीत में लिखित परम्परा द्वारा अनेकों मौखिक परम्पराओं को संरक्षित करने में बहुत योगदान मिला है । अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I

विकल्प – I

Hindustani Music – Vocal and Instrumental

हिन्दुस्तानी संगीत – गायन एवं वादन

3. How far the paintings of Rag Raginees are helpful in the feeling of Rasa in music ? Explain in detail.
संगीत में राग-रागिनी चित्रों से संगीत की रस-निष्पत्ति के उद्देश्य में कहाँ तक सहायता मिलती है ? विस्तार से वर्णन कीजिये ।

4. Describe the different kinds of chords of western music and show their importance in the Ras-Nishpatti of music.
पाश्चात्य संगीत के कार्डस के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुये संगीत की रस-निष्पत्ति में उनका महत्त्व दर्शाइये ।
5. Mention in brief the different systems of Rag classification in ancient, medieval and modern times.
प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल में राग वर्गीकरण की विभिन्न पद्धतियों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये ।

OR/अथवा

Elective – II

खंड – II

Karnatak Music

कर्नाटक संगीत

3. Importance of musical mnemonics in Karnatak Music compositions.
कर्नाटक संगीत रचनाओं में संगीतात्मक स्मृति-सहायक तत्त्वों का महत्त्व ।
4. Sollukettu Svaras adopted in the composition of Dikshitar.
दीक्षितार की रचनाओं में ली गई सोल्लुकेट्टु स्वर ।
5. Chaturdandi Prakasika is an important Lakshana grantha.
चतुर्दण्डी प्रकाशिका एक महत्त्वपूर्ण लक्षण ग्रंथ है ।

OR/अथवा

Elective – III

खंड – III

RABINDRA SANGEET

रबीन्द्र संगीत

3. Explain in details the influence of western music on Tagore's compositions.
टैगोर की गीतरचनाओं पर पाश्चात्य संगीत के प्रभाव की व्याख्या कीजिए ।
4. Give an account of Tagore's influence on his contemporary musicians.
अपने समसामयिक संगीतकारों पर टैगोर के प्रभाव का विवरण दीजिए ।
5. How has Tagore expressed his feelings for his creator through his compositions ?
अपनी गीतरचनाओं के माध्यम से टैगोर ने ईश्वर के प्रति अपने मनोभाव किस प्रकार प्रकट किये हैं ?

OR/अथवा

Elective – IV

विकल्प – IV

PERCUSSION INSTRUMENTS

अवनद्ध वाद्य

3. Explain the playing specialities of Delhi and Farrukhabad gharana of Tabla and write in notation two compositions each of the above gharanas.
तबले के दिल्ली तथा फर्रुखाबाद घरानों की वादन विशेषताओं को समझाइये तथा इन घरानों की दो-दो रचनाएँ लिपिबद्ध कीजिये ।
4. Write your views on the utility of talas having equal matras and compare any three taal pairs having equal matras.
सम-मात्रिक तालों की उपयोगिता पर अपने विचार लिखिये तथा किन्हीं तीन सम-मात्रिक ताल जोड़ियों की तुलना कीजिये ।

5. Explain the main characteristics of Marg Taal system and write down the Kriyavidhi of Ek-kal chatchatputa and ek-kal chach-put.

मार्ग ताल पद्धति की मुख्य विशेषताएँ समझाइये तथा एककल चच्चत्पुट और एककल चाचपुट की क्रियाविधि लिखिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions each to be answered in about **fifty (50)** words. Each question carries **ten (10)** marks. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **दस (10)** अंक का है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain the concept of beauty according to Indian and Western Scholars.
भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार सौन्दर्य की धारणा को समझाइये ।

7. What is the relation between Raga and Season ? Explain with examples of few Ragas in brief.

राग और ऋतु में क्या सम्बन्ध है ? कुछ रागों के उदाहरण देते हुये संक्षेप में समझाइये ।

OR/अथवा

Write your views on the importance of Taal in Indian Music.

भारतीय संगीत में ताल के महत्त्व पर अपने विचार लिखिये ।

8. Explain Rasa and its different kinds in brief.
रस को परिभाषित करते हुये रस के विभिन्न प्रकारों का संक्षिप्त विवरण दें ।

OR/अथवा

Describe the classification of instruments in brief.
वाद्य वर्गीकरण का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

9. Tradition of music has been of great importance in Indian Music. Justify this statement with brief introduction of any one Gharana or Sampradaya in this context.
भारतीय संगीत के सन्दर्भ में पारिवारिक परम्परा का बहुत महत्त्व रहा है – इसी सन्दर्भ में किसी एक घराने अथवा सम्प्रदाय का संक्षिप्त परिचय देते हुये उक्त कथन की पुष्टि कीजिये ।

10. Write notes on any **five** of the following :
Sargam, Vaggeykar, Varna, Alankar, Kalawant, Nayak, Padam, Varnam, Javali, Kriti, Tillana, Theka, Varshamangal, Quaida, Rela.
निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लिखिये :
सरगम, वाग्गेयकार, वर्ण, अलंकार, कलावन्त, नायक, पदम, वर्णम, जावल, कृति, तिल्लाना, ठेका, वर्षामंगल, कायदा, रेला ।

11. "Swar Mela Kalanidhi" Granth is rated high as the authentic work of Pt. Ramamatya in Karnatak Music." Explain with reasons.

पं. रामामात्य कृत "स्वरमेल कलानिधि" ग्रंथ की गणना दक्षिणात्य पद्धति (कर्नाटक संगीत) के आधारभूत ग्रंथों में की जाती है। तर्क सहित समझाइये।

12. Write short notes on any **five** of the following :

Oddissi Dance, Kathak, Bharatnatyam, Kaikottikali, Kajri, Chaiti, Bhangra, Maand, Gitinatya, Nautanki, Lavani, Laggi, Tukda, Paran.

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

ओडिसी नृत्य, कथक, भारतनाट्यम, केकौटी कल्ली, कजरी, चैती, भाँगड़ा, मांड, गीतिनाट्य, नौटंकी, लावणी, लगगी, टुकड़ा, परन ।

13. Write in brief on the western time signature and value of notes.
पाश्चात्य संगीत के टाइम सिग्नेचर एवं पाश्चात्य मालाओं पर संक्षेप में लिखिये ।

14. Explain with examples :
(a) Musical quality of sound.
(b) Vibration and frequency.
निम्न को उदाहरण सहित समझाइये :
(अ) नाद की संगीतोपयोगिता ।
(ब) कम्पन एवं आंदोलन संख्या ।

OR/अथवा

- Write in notation the following :
(a) Tigan of Roopak taal.
(b) Aad of Keharwa.
निम्नलिखित को लिपिबद्ध कीजिये :
(अ) रूपक को तिगुन में ।
(ब) कहरवा की आड़ ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Composition is an important part of Indian Music, which can preserve the rich heritage of Indian Music for the future generation. There have been changes in the form of Ragas and Talas, and these changes have directly influenced the compositions. Composition consists of two parts—Raga and Tal. When the Prabandh form of music was prevalent, its compositions were in accordance of the same, and did not have the freedom of improvisation. But with the evolution of Dhrupad, the rigid rules of the compositions were relaxed and developed four parts viz. Sthayi, Antara, Sanchari and Abhog. Alap was an integral part of such a form of Dhrupad singing. When Khyal evolved on the basis of Dhrupad, much scope for the elaboration of Rag and Tal became easy in singing of Khyal and Alap, Tan, Sargam, Laykaries and other different embellishments were important in a composition. We find that Swami Haridas, Tansen, Baizu—Bakshoo, Sadarang were important amongst them for Dhrupad Style, while Adarang, Saraspriya, Sadarang, Manrang, Harrang, Daraspriya, Prempia, Nehrang and others were important for khyal compositions. But all of them were vaggeykar/scholars who rendered rich tradition of Bandishes by following the rules and laws of Raga. These compositions of the scholars reflect the changing form of Ragas. In present day music, several compositions have been written and composed by musicians but could not be popular and exist for future because these compositions did not have traditional cult and the basic correct ingredients of Raga – Roop. In fact the adherence to follow the rules of Raga is important for the aesthetic appeal with a combination of individual talent and improvisation of a scholar musician.

बंदिश भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक आवश्यक अंग है और केवल बंदिश के ही माध्यम से हिन्दुस्तानी संगीत की समृद्धशाली परम्परा को पीढ़ी दर पीढ़ी तक सुरक्षित रखा जा सकता है । संगीत में राग-ताल के स्वरूपों में बदलाव आये हैं, उनका प्रत्यक्ष प्रभाव बंदिशों पर पड़ता रहा है । बंदिश के दो भाग है राग और ताल । जब प्रबन्ध का प्रचलन था तब उसकी बंदिशें थीं, उनमें कल्पनात्मक बढ़त का क्षेत्र नहीं था, फिर ध्रुपद के विकास के साथ बंदिश के चार अंग विकसित हुये—स्थाई, अंतरा, संचारी-आभोग । ध्रुपद के इस प्रकार में आलाप ने स्थान ले लिया । इसके बाद ध्रुपद के ही आधार पर ख्याल का निर्माण हुआ और तब गायन में राग और ताल दोनों ही को विस्तार की अधिक स्वतंत्रता मिली । आलाप के साथ बंदिश में लयकारी, तान, सरगम और विभिन्न अलंकारिक प्रकारों को महत्त्व मिला । यदि बंदिश के रचयिताओं का ध्यान करें तो देखते हैं कि ध्रुपद की बंदिशों के रचयिता स्वामी हरीदास, तानसेन, बैजू बख्शू, सदारंग रहे । ख्याल की बंदिशों के

सदारंग, अदारंग, मनरंग, हररंग, दरसपिया, सरसपिया, प्रेमपिया, प्रानपिया, नेहरंग रहे, किन्तु ये सभी वाग्गेयकार थे; जिन्होंने राग के नियमों का पालन कर बंदिशों को समृद्धशाली परम्परा दी, इन बंदिशों से रागों के बदलते शास्त्रीय स्वरूप का ज्ञान होता है । आज नयी नयी बंदिशें बन रही हैं, पर जिन संगीतज्ञों ने परम्परा से हट कर मूल तत्त्वों का समावेश इनमें नहीं किया, उन बंदिशों का प्रचलन नहीं हो सका, क्योंकि राग के सौन्दर्य, व्यक्तिगत प्रतिभा और कल्पनात्मक गुण के साथ साथ बंदिश निर्माण के लिये राग के नियमों का पालन करना अत्यन्त आवश्यक है ।

15. Describe the importance of composition in music.

संगीत में बंदिश के महत्त्व को बताइये ।

16. How the composition influence the music ?

बंदिशों का संगीत में क्या प्रभाव पड़ता है ?

17. What was the form of composition in different vocal forms ?

विभिन्न गायन शैलियों में बंदिशों का क्या स्वरूप था ?

18. Name the composers of the compositions of Dhrupad.

ध्रुपद की बंदिशों के रचयिताओं के नाम बताइये ।

19. Name the composers of the compositions of Khyal.

खयाल की बंदिशों के रचयिताओं के नाम बताइये ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date